Volume 1 Issue 32

February 2018

eNewsletter

Monthly

मासिक

स्मार्ट सिटी वाराणसी

अलौकिक · आध्यात्मिक · आधुनिक

नगर निगम, वाराणसी

मुख्य संरक्षक

श्रीमती मृदुला जायसवाल,
मा0 महापौर

मुख्य संपादक

डा0 नितिन बंसल,
नगर आयुक्त

संपादक

श्री रमेश चन्द्र सिंह,
संयुक्त नगर आयुक्त

संकलन

श्री संदीप श्रीवास्तव,
कोआर्डिनेटर, कम्प्यूटर सेल

कम्प्यूटर डिज़ाइन

टीम कम्प्यूटर सेल

नगर निगम वाराणसी
सिगरा शहीद उद्यान के सामने वाराणसी
पिन कोड–221010
Email- nagarnigamvns@gmail.com

Website-www.nnvns.org
Phone- 0542 222 1 711
Fax- 0542 222 1 702
Control Room
Toll Free- 155304
0542- 2221709 / 0542-2221999

दिनांक–१४ फरवरी २०१८ को दैनिक जागरण में प्रकाशित

शहर में 10 पिंक टॉयलेट

जागरण संवाददाता, वाराणसी : महिलाओं के लिए अब पिंक टॉयलेट बनेगा। गुलाबी रंग के इन शौचालयों के लिए नगर निगम ने तैयारी शुरू कर दी है। राजस्थान की तर्ज पर इसे बनारस में भी बनाया जाएगा। इसके लिए महिलाओं के अधिक मूवमेंट वाले दस स्थानों को चिह्नित किया जाएगा।

महिलाओं व पुरुषों की शौचालय एक होने के कारण काफी महिलाएं टॉयलट जाने में संकोच करती हैं। नगर आयुक्त डा.नितिन बंसल ने नगर स्वास्थ्य अधिकारी को महिलाओं के सर्वाधिक मूवमेंट वाले शहर के ऐसे 10 स्थान चिह्नित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि जगह तय होने के बाद काम शुरू होगा।

शौचालय निर्माण के लिए बनाएंगे दबाव : जिन छह सौ लोगों ने शौचालय मद का धन अन्यत्र खर्च कर दिया उन पर शिकंजा कसने की तैयारी है। नगर आयुक्त डा. नितिन बंसल ने बताया कि अब शौचालय निर्माण के लिए लाभार्थियों पर दबाव बनाया जाएगा। जरुरत होगी तो उन्हें बाकी राशि देकर काम के लिए प्रेरित किया जाएगा।

काशी में अब स्मार्ट बस अड्डा

राजकोट मॉडल पर 180 करोड़ से आठ फ्लोर का बस स्टेशन बनाने का प्रस्ताव

संग्राम सिंह ● वाराणसी

काशी में उत्तर प्रदेश का पहला स्मार्ट बस अड्डा बनाने की तैयारी है। उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम, स्मार्ट सिटी और नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कंपनी (एनबीसीसी) ने संयुक्त रूप से कैंट स्थित बस स्टेशन की बिल्डिंग को आठ मंजिला करने की प्री-डिजाइन नगरीय विकास मंत्रालय व परिवहन विभाग को भेजी है। रोडवेज की सूबे में यह पहली बिल्डिंग होगी जो सबसे ऊंची बनेगी। 30 हजार यात्रियों को स्मार्ट सुविधाएं मुहैया कराने के लिए 50 वर्ष पुराने बस स्टैंड को राजकोट मॉडल पर विकसित की जाएगी। वर्तमान बिल्डिंग को तोड़कर करीब 180 करोड़ रुपये से दो बेसमेंट और आठ फ्लोर का बस टर्मिनल बनेगा, जिसकी प्री-डिजाइन तैयार हो चुकी है। छह एकड़ भूखंड पर बनी कार्ययोजना में मुसाफिरों को ठहरने के लिए होटल, रेस्टोरेंट और मॉल के अंदाज में शापिंग की सुविधा भी मयस्सर कराई जाएगी।

क्षेत्रफलवार डिपो निर्माण	03 एकड़ ग्रामीण डिपो	01 से 1.50 एकड़ कैंट डिपो	01 से 1.50 एकड़ रीजनल डिपो	70 बसें खड़ी होंगी स्टेशन में

एनबीसीसी द्वारा प्रस्तावित स्मार्ट रोडवेज बस स्टेशन की बनी प्री डिजाइन

राजकोट का दौरा कर लौटे अफसर

डीएम योगेश्वर राम मिश्र के अलावा एनबीसीसी के अफसर हाल में राजकोट का दौरा करके लौटे हैं, उन्होंने वहां के बस स्टैंड में यात्रियों को मिल रही सुविधाओं का कायदे से मंथन किया है। री-डेवलेपमेंट आफ बस स्टैंड प्लान को धरातल पर उतरने के बाद करीब 30 हजार मुसाफिरों को सुविधाएं मिलेंगी।

दिनांक–१७ फरवरी २०१८ को सर्किट हाउस, वाराणसी में मा० नगर विकास मंत्री जी का आगमन

स्मार्ट काशी की योजनाएं तैयार, टेंडर आमंत्रित

जागरण संवाददाता, वाराणसी : यूपी बजट में 14,341.89 करोड़ रुपये नई योजनाओं के लिए आवंटित किया गया है। इसमें स्मार्ट सिटी के लिए 1650 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। यह बजट प्रदेश के 12 स्मार्ट सिटी वाराणसी समेत मुरादाबाद, अलीगढ़, सहारनपुर, बरेली, झांसी, कानपुर, इलाहाबाद, लखनऊ, गाजियाबाद, आगरा, रामपुर के लिए आवंटित है। इस हिसाब से वाराणसी स्मार्ट सिटी के हिस्से में चार करोड़ 16 लाख 66 हजार छह सौ 66 रुपये आए हैं जबकि स्मार्ट सिटी वाराणसी मिशन के तहत पूर्व में क्रियान्वित 2225 करोड़ की योजनाओं को भी समाहित किया गया है।

प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत अब तक कई कदम बढ़ चले हैं। वाराणसी स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने पीएससी का गठन कर दिया है। इसमें ग्रैंड थ्रोंपटन फर्म का चयन किया गया है। अनुबंध का निष्पादन 24 मई 2017 से हो गया है। संबंधित फर्म द्वारा टीम मोबलाइज कर प्रोजेक्टाइजेशन

कवायद

- वाराणसी के हिस्से चार करोड़ 16 लाख 66 हजार छह सौ 66 रुपये
- पूर्व में 2225 करोड़ की क्रियान्वित योजनाएं भी स्मार्ट सिटी में समाहित

की कार्रवाई की जा रही है। आइटीएमएस यानी इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, सिटी कमांड कंट्रोल सेंटर तथा सिटी सर्विलांस सेंटर की स्थापना, एबीडी यानी क्षेत्र आधारित विकास व पार्किंग सुविधा विकसित किए जाने के लिए डीपीआर बनकर तैयार है और उसकी निविदा का कार्य प्रारंभ हो गया है।

डीपीआर व निविदा तक की कार्रवाई को टाइम बाउंड किया गया है जिसके सापेक्ष तेज प्रगति के लिए नगर आयुक्त डा. नितिन बंसल ने अफसरों की जिम्मेदारी भी तय कर दी है। अब तक सिर्फ रमना एसटीपी की निविदा ही हो सकी है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत वाराणसी स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने ग्लोबल टेंडर ओपेन कर दिया है।

१७ फरवरी २०१८ को दैनिक जागरण में प्रकाशित

२१ फरवरी २०१८ को दैनिक जागरण में प्रकाशित

बटन दबाकर दीजिए फीडबैक

जागरण संवाददाता, वाराणसी : शहर में स्थित सवा सौ सामुदायिक शौचालय साफ-सुथरे हैं या नहीं, उसमें सुविधाएं कितनी मुकम्मल हैं, इसके बारे में जनता नगर निगम को बताएगी। इसके लिए नगर निगम सामुदायिक शौचालयों में खास तरह का डिवाइस लगाने जा रहा है। डिवाइस में लगे बटन को दबाकर इस्तेमाल करने वाले फीडबैक दे सकेंगे। फिलहाल सामुदायिक शौचालयों में अभी ऐसी व्यवस्था नहीं है। वहां जो सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं, उससे आम आदमी कितना संतुष्ट हैं यह पता करने का कोई साधन नहीं है। केवल कंट्रोल रूम में शिकायत दर्ज कराने पर ही कार्रवाई हो पाती है। जबकि स्थिति यह है कि अधिकांश सामुदायिक शौचालयों में अव्यवस्था का आलम है।

सफाई व दूसरी सुविधाएं बेहद गड़बड़ हैं, लेकिन अब नगर निगम ऐसी व्यवस्था करने जा रहा है जिससे पता चल जाएगा कि वहां पर उपयोगकर्ता को सुविधाएं मिल रही हैं या नहीं। एआइए कंपनी ने बनारस नगर निगम को 15 डिवाइस मुफ्त में आवंटित किए हैं। इनकी मंगलवार को आमद हो चुकी है। डिवाइस में ग्रीन, रेड और ब्लू बटन होंगे, जिसे दबाकर लोग शौचालय के बारे में फीडबैक देंगे। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. एके दुबे ने बताया कि इसी हफ्ते सामुदायिक शौचालयों में डिवाइस लगाने जा रहे हैं, ताकि जनता से फीडबैक मिले।

स्वच्छता

- 15 सामुदायिक शौचालयों में लगेंगे डिवाइस, मशीनों की हुई आमद
- ग्रीन, रेड व ब्लू बटन दबाकर यूजर नगर निगम को बताएंगे वस्तुस्थिति

चयनित सामुदायिक शौचालय

अर्दली बाजार, दशाश्वमेघ घाट, असि घाट, सिगरा फूलमंडी, सिगरा थाने के सामने, कचहरी, सारनाथ म्यूजियम, ट्रामा सेंटर लंका, राजघाट, इंग्लिशिया लाइन, चौकाघाट पुल के नीचे, मलदहिया कूड़ा घर के पास, गोदौलिया चौक, रवींद्रपुरी व शिवाला आदि।

सीएसयू से होगी मानीटरिंग

स्वच्छ भारत मिशन के तहत सिटी सर्विसेज यूनिट से जनता के फीडबैक की आनलाइन मानीटरिंग होगी। शिकायत पर निगम तत्परता से सुविधाएं बेहतर बनाएगा।

पिंक टॉयलेट की दी सूची

नगर निगम की इंजीनियरिंग विंग ने पिंक टॉयलेट बनाने को सूची स्वास्थ्य शाखा को सौंप दी है। अब महिलाओं के लिए खास तरह के टॉयलेट बनाने की कवायद में अधिकारी जुटे हैं।

२३ फरवरी २०१८ को दैनिक जागरण में प्रकाशित

सफाई करो-इनाम जीतो! अचितपुर की महिलाओं में मची होड़

यादवेंद्र सिंह ● मीरजापुर

अचितपुर (पुरैनी) गांव में स्वच्छता को लेकर एक दिलचस्प प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। मीरजापुर, उत्तरप्रदेश के इस गांव में यह अनोखी प्रतियोगिता 26 जनवरी से शुरू हुई है, जो अगली 26 जनवरी तक चलेगी। गांव की हर महिला इसमें भाग ले सकती है। वो भी बिना किसी पंजीकरण के।

शर्त बस इतनी है कि साल भर हर दिन अपने घर-आंगन, गली और आसपास के स्थान को चकाचक रखना पड़ेगा। चीटिंग-चालाकी की कहीं कोई गुंजाइश नहीं। क्योंकि हर रोज मॉनीटरिंग भी होगी। फोटो खींची जाएंगी। 26 जनवरी को इनामों का पिटारा खुलेगा।

पहला इनाम एलईडी टीवी: जो जीतेगा उसे इनाम मिलेगा। पहला इनाम एलईडी टीवी है। दूसरा, टचस्क्रीन वाला मोबाइल फोन। तीसरा, साइकिल। और चौथा, मिक्सी। इसके अलावा 11 सांत्वना पुरस्कार भी हैं। घर-घर पोस्टर चस्पा हो चुके हैं। गांव की महिलाओं में इनाम जीतने के लिए होड़ मच गई है। इसी बहाने गांव का चप्पा-चप्पा स्वच्छ हो चला है।

आइडिया कमाल का: जमालपुर ब्लाक के इस गांव के प्रधान महेंद्र यादव को यह आइडिया आया। उन्होंने गांव की महिलाओं को साफ-सफाई के प्रति जागरूक करने के लिए यह युक्ति ढूंढ निकाली। महिलाओं को घर-आंगन के अलावा साथ लगती गली और आसपास के स्थान की भी नियमित साफ-सफाई की सीख देना उनका मकसद है। इस प्रतियोगिता में सिर्फ गांव की महिलाओं को ही भागीदार बनाया है। प्रतियोगिता का नाम रखा गया है- गांधी जी की दिशा में एक कदम।

बन गई बात: खुले में शौचमुक्त (ओडीएफ, ओपन डेफेकेशन फ्री) घोषित हो चुके इस गांव में अब हालत ये है कि महिलाओं में सफाई को लेकर होड़ मच गई है। यहां हर महिला बड़ा इनाम जीतना चाहती है। ये पुरस्कार उसी शर्त पर दिए जाएंगे जबकि महिलाएं अपने घर व आसपास की गलियों को वर्षभर साफ-सुथरा रखेंगी। फोटोग्राफी के जरिए सफाई की प्रतिदिन मानीटरिंग भी की जा रही है। गांव में 370 घर हैं, जिसमें से 300 घरों में शौचालय है। महेंद्र बताते है कि पुरस्कारों के लिए बजट का इंतजाम वह खुद कर रहे हैं, बाद में यदि सरकारी मद में बजट मिल जाता है तो सोने पर सुहागा हो जाएगा।

स्वच्छ भारत

- घर-घर पोस्टर चस्पा, प्रतिदिन फोटोग्राफी के साथ मॉनीटरिंग
- 26 जनवरी 2019 को खुलेगा पिटारा
- जीतने वालों को मिलेंगे टीवी, मोबाइल, साइकिल व मिक्सी
- घर-गली और आसपास को रखना होगा साफ-सुथरा

स्वस्थ समाज

मीरजापुर के अचितपुर गांव की गली की साफ-सफाई में जुटी महिलाएं ● जागरण

> स्वस्थ समाज की पहली कड़ी स्वच्छता है। गांव को शत-प्रतिशत स्वच्छ बनाने के लिए यह विचार आया। शासन अगर प्रधानों को सम्मानित कर सकता है तो प्रधान उन ग्रामीणों को क्यों नहीं पुरस्कृत कर सकता, जो उसे चुनते हैं।
>
> **महेंद्र यादव,** ग्राम प्रधान, अचितपुर गांव

> ग्राम प्रधान का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। इसका फायदा जरूर मिलेगा। अन्य गांवों में भी ऐसी ही प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए प्रधानों को निर्देशित किया जाएगा।
>
> **दिनेश प्रताप सिंह,** खंड विकास अधिकारी, जमालपुर ब्लॉक